Hindustan, 16.12.2018, Pg. 21

देश में गुणवक्तायुक्त शिक्षा की जरूरत : प्रणब मुखर्जी

आईआईएम का स्थापना दिवस

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

शिक्षा जरूरी है, लेकिन गुणवक्तायुक्त शिक्षा की जरूरत है। हर साल देश से हजारों छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि शिक्षा की गुणवक्ता को बढ़ाया जाए और विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए यहीं पर सुविधाएं मुहैया करायी जाए। यह बातें पूर्व राष्ट्रपति डॉ प्रणब मुखर्जी ने शनिवार को आईआईएम के 10वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान रांची विवि स्थित आर्यभट्ट सभागार में कही।

उन्होंने कहा, गुणवक्ता युक्त शिक्षा की शुरुआत स्कूल से ही करने की जरूरत है। विवेकानंद और रविंद्रनाथ टैगोर का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने कहा था, शिक्षा सिर्फ जानकारियों का संग्रह नहीं है, उससे जीवन में सफलता नहीं पायी जा सकती। इसे वास्तविक जीवन में उतारने की जरूरत है। उन्होंने आईआईएम के बारे में कहा कि पूर्वी भारत में इन संस्थानों से शिक्षा की गुणवक्ता बढ़ रही है।

इस मौके पर एमबीए के विभिन्न संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 16 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। आईआईएम रांची के चेयरमैन ने कहा कि सफलता पाने के लिए बाहर निकलना होगा। पूरी दुनिया को देखने का नजरिया चाहिए, ताकि खुद का विकास हो और संस्थान का भी नाम हो सके। संस्थान के निदेशक शैलेंद्र सिंह ने सभी छात्रों को उनकी कामयाबी पर बधाई देते हुए कहा कि संस्थान ने हमेशा छात्रों को आगे बढ़ने का मौका दिया है और वे अपनी मंजिल को भी हासिल कर रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति ने अपने बचपन की कहानी से दी शिक्षा : पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने अपने बचपन की कहानी बताकर सभी के बीच एक संदेश देने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि वे गरीब परिवार से आते हैं, बचपन में वे अपनी प्राथमिक शिक्षा पाने के लिए 10 किलोमीटर धान के खेतों से होकर स्कूल जाते थे। उन्होंने अपनी मां से कई बार अपनी तकलीफ के बारे में बताया। कई बार स्कूल नहीं जाने की भी बात कही। लेकिन उनकी मां बेबस थीं। कोई दूसरा विकल्प नहीं होने के कारण वे उसी तरह स्कूल जाते रहें। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कॉलेज में अपना नामांकन करवाया। उन्होंने वह कॉलेज इसलिए चुना क्योंकि कॉलेज कैंपस के बाहर ही उन्हें रहने के लिए हॉस्टल मिला था। उन्होंने कहा, किसी भी क्षेत्र के विकास में आधारभूत संरचना काफी महत्वपूर्ण होता है, जिसके बाद ही अन्य चीजें विकसित हो पाती है।

शनिवार को आईआईएम के स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

समारोह

- रांची विवि के आर्यभट्ट सभागार में हुआ स्थापना दिवस कार्यक्रम
- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 16 विद्यार्थी सम्मानित किए गए

सफलता की कुंजी शॉर्टकट नहीं है

प्रणब मुखर्जी ने कहा किसी भी सफलता को पाने के लिए शॉर्टकट कोई जरिया नहीं है। छात्रों को अपने जीवन को सफल बनाने के लिए हर परिस्थितियों से गुजरना चाहिए। उन्हें उपना बेस्ट देने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि समाज को उनकी जरूरत है।

नौकरी नहीं, खुद खड़ी करें कंपनी

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, आप जैसे तकनीकी रूप से कौशल युवाओं को मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी करने की बजाय खुद न्योक्ता बन दूसरे लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना चाहिए। कहा, स्टार्टअप कर खुद दूसरों को नौकरियां दें।

आधारभूत संरचना की भारी कमी

पूर्वी भारत के राज्यों के बारे में बात करते हुए प्रणब मुखर्जी ने कहा कि यहां खनीज-संपदा काफी मात्रा में है। लेकिन आधारभूत संरचना की भारी कमी होने के कारण विकास की गति धीमी है। यहां की सड़कें विकास में मुख्य बाधक हैं।

राष्ट्र निर्माण में योगदान करें छात्र

प्रणब मुखर्जी ने कहा देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र जीडीपी में काफी बड़ा योगदान कर सकते हैं या कहें तो दूसरी क्रांति इसी क्षेत्र से संभव है। अपने स्पीच के दौरान उन्होंने छात्रों को सक्रिय रूप से राष्ट्र निर्माण में योगदान करने को कहा।

डीपीएस ग्रेटर का शिलान्यास और उद्घाटन समारोह

पूर्व राष्ट्रपति बोले, मानव सभ्यता के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने बीएनआर में आयोजित समारोह में शनिवार को कहा कि मानव सभ्यता के विकास और अस्तित्व के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण बहुत जरूरी है। यह इसलिए ताकि आने वाली पीढ़ियां इससे वंचित न हों। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जलवायु संकल्प की बात हो रही है, लेकिन कुछ देश प्रकृति का दोहन कर रहे हैं। यह गलत है। इसे समय रहते नहीं रोका गया तो इसका दुष्परिणाम पूरी मानवता को भुगतना पड़ेगा।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी डीपीएस ग्रेटर रांची और डीपीएस भागलपुर के संयुक्त तत्वावधान में यहां आयोजित शिलान्यास और उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने अंगिका डेवलपमेंट सोसायटी के विभिन्न शिक्षण संस्थानों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान सोसायटी के अध्यक्ष शेखर दत्त, राजेश श्रीवास्तव, डीपीएस भागलपुर की प्रधानाचार्य अरुणिमा चक्रवर्ती, डीपीएस ग्रेटर के प्रधानाचार्य अभिषेक कुमार ने भी अपने संबोधन से छात्रों का मार्गदर्शन किया। समारोह का संचालन टी रहमान ने किया।

शनिवार को होटल बीएनआर चाणक्या में डीपीएस ग्रेटर रांची के शिलान्यास सह उद्घाटन समारोह में उपस्थित पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी व अन्य।

खास बातें

- पूर्व राष्ट्रपति ने गुरुकुल पद्धति के साथ आधुनिक शिक्षा को सराहा
- कहा-प्रकृति का दोहन नहीं रोका गया तो इसके दुष्परिणाम पूरी मानवता को भुगतना पड़ेगा

झारखंड में प्राचीन सभ्यता विद्यमान: पूर्व राष्ट्रपति ने झारखंड को सुंदर स्थान बताते हुए कहा कि यहां प्राचीन सभ्यता को संजो कर रखा गया है। झारखंड की सभ्यता का प्रकृति से हमेशा जुड़ाव रहा है। प्रकृति सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वह विद्यार्थी के साथ-साथ शिक्षक भी हैं। बड़े विद्यार्थी छोटों को अपना ज्ञान बांटते हैं। उन्होंने सीखने सिखाने की परंपरा के विकास और निर्वहन पर बल दिया।

शिक्षा से छात्र बने बेहतर इंसान: प्रणब मुखर्जी ने शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को एक बेहतर, समझदार इंसान बनाने पर जोर दिया। कहा, शिक्षा हमें बेहतर नागरिक बनाने में सहायक हो। शिक्षा के ज्ञान का प्राकृतिक प्रवाह जरूरी है। संसार में सभी प्रकृतिक वस्तुएं नौसर्गिक रूप से उपलब्ध हैं, उसी तरह छात्र का दिमाग भी खुला होना चाहिए। उन्होंने डीपीएस के शिक्षा गुरुकुल पद्धति और आधुनिक प्रणाली के सम्मिश्रण को सराहा।